1 हमारी भाषा
(Our Language)

बच्चा जब रोता है तो केवल अपनी माँ को पहचानता है, क्योंकि माँ दिन-रात उसके साथ रहती है। उसका पूरा ध्यान रखती है। धीरे-धीरे माँ का चित्र उसके मन में छप जाता है। इसी प्रकार बच्चा जैसे-जैसे बड़ा होता है और आस-पास के वातावरण के साथ उसका संबंध बनता है तो प्रत्येक वस्तु के लिए एक चित्र उसके दिमाग में बन जाता है। जैसे-जैसे बच्चा बड़ा होता है, वह उस वस्तु के नाम से परिचित होता है और नाम बोलना सीख लेता है।

इस प्रकार धीरे-धीरे बच्चा आस-पास के वातावरण से परिचित होता जाता है और भाषा सीखता जाता है।

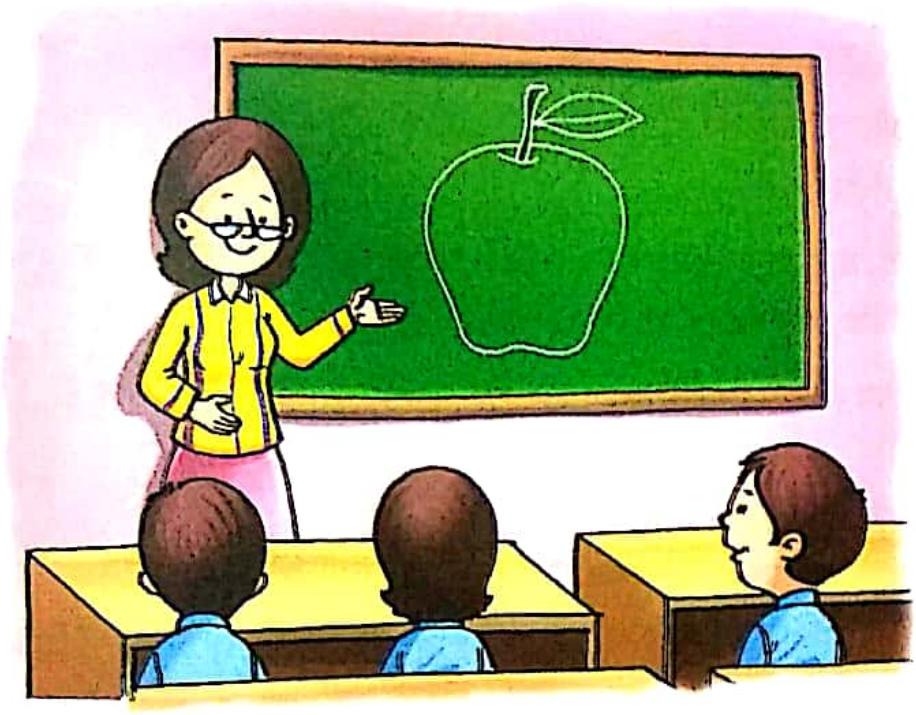

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि चित्रों से भाषा सीखना आसान होता है। इसलिए जब बच्चा विद्यालय में दाखिला लेता है तब शुरूआत में बड़े-बड़े चित्र दिखाकर उसे विषय-वस्तु से परिचित करवाया जाता है।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि चित्रों से भाषा सीखने में मदद मिलती है।

जिस साधन से हम अपने विचार या भाव बोलकर या लिखकर प्रकट करते हैं, उसे भाषा कहते हैं।

भाषा के दो रूप होते हैं– (1) मौखिक, (2) लिखित।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

1. **मौखिक भाषा**– बोलकर और सुनकर जब हम भावों और विचारों को दूसरों तक पहुँचाते हैं या दूस के विचार हम तक पहुँचते हैं, तो उसे मौखिक भाषा कहते हैं। जैसे– भाषण, वाद-विवाद, बातची आदि भाषा के मौखिक रूप हैं।

2. **लिखित भाषा**– लिखने व पढ़ने के माध्यम से जो भाव या विचार एक स्थान से दूसरे स्थान त पहुँचते हैं, उन्हें लिखित भाषा कहते हैं। जैसे– पत्र, समाचार पत्र, पुस्तकें आदि भाषा के लिखि रूप हैं।

हमारे देश में अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं। भारत की राष्ट्रभाषा हिंदी है। भारत के अलग-अलग राज्यों अलग-अलग भाषाएँ बोली जाती हैं। जैसे– असम में असमिया, कश्मीर में कश्मीरी, केरल में मलयालम पंजाब में पंजाबी आदि।

संसार के विभिन्न देशों में भी बहुत-सी भाषाएँ बोली जाती हैं। जैसे– चीन में चीनी, इंग्लैंड में अंग्रेज़ी, फ्रांस में फ्रांसीसी और रूस में रूसी।

लिपि–भाषा को लिखने के लिए निश्चित किए गए चिह्नों को लिपि कहते हैं।

संस्कृत, हिंदी और गुजराती भाषाओं की लिपि देवनागरी है। इसी प्रकार अंग्रेज़ी की रोमन, उर्दू की फ़ारसी और पंजाबी की लिपि गुरुमुखी है।

भाषा की शुद्धता, भाषा ज्ञान, उच्चारण एवं लेखन आदि के लिए व्याकरण की आवश्यकता होती है। अत: हम कह सकते हैं कि व्याकरण वह शास्त्र है जो भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कराता है।

व्याकरण के माध्यम से व्यक्ति अपने विचारों और भावों को सही ढंग से प्रकट कर पाता है।

क्या सीखा, क्या जाना

- भावों और विचारों का आदान-प्रदान जब बोलकर या लिखकर किया जाता है, तो इसे भाषा कहते हैं।
- भाषा के दो रूप होते हैं– मौखिक, लिखित।
- मौखिक भाषा– बोलकर और सुनकर जब हम भावों और विचारों को दूसरों तक पहुँचाते हैं या दूसरों के विचार हम तक पहुँचते हैं, तो उसे मौखिक भाषा कहते हैं।
- लिखित भाषा– लिखने व पढ़ने के माध्यम से जो भाव या विचार एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचते हैं, उन्हें लिखित भाषा कहते हैं।
- सभी भाषाओं को लिखने के लिए कुछ चिह्न होते हैं, ये चिह्न लिपि कहलाते हैं।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner